MIMS
मनसा इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड हैल्थ साईन्स, जयपुर
CCCH, CMS&ED
Specific/Liste of Medicines
9982409761, 7023797979

Open Vocational Education Programme

Certificate Course in

COMMUNITY HEALTH

Prevention & Management of Diseases & emergency
451

NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING

टिप्पणी

आयु के अनुसार भार एवं लंबाई की तालिका –

	आयु	भार		लम्बाई	
	(वर्ष)	(कि.ग्रा.)	(आई.वी.)	(से.मी.)	ईंच
शिशु	0.0–0.5	6	13	60	24
	05–10	9	20	71	28
बच्चे	1–3	13	29	90	35
	4–6	20	44	112	44
	7–10	28	62	132	52
पुरूष	11–14	45	99	157	62
	15–18	66	145	176	69
	19–22	70	154	177	70
	23–50	70	154	178	70
	51+	70	154	178	70
महिलाएं	11–14	46	101	157	62
	15–18	55	120	163	64
	19–22	55	120	163	64
	19–22	55	120	163	64
	23–50	55	120	163	64
	51+	55	120	163	64

हमारे स्वास्थ्य–कार्यकर्ता को निम्न दवाइयों के बारे में जरूर जानना चाहिए–जो हम अक्सर इलाज में प्रयोग करते हैं

(1) एनाल्जेसिक – पीड़ा को कम करने वाली दवाइयाँ– जैसे पैरासिटामोल, एस्प्रिन आदि।

(2) एन्टीपायरैटिक – ज्वर को कम करने वाली दवाइयाँ– जैसे पैरासिटामोल, निमुसुलाइड आदि।

(3) एन्टीएमीबिक – अमीबा जनित अतिसार में प्रयुक्त होने वाली दवाइयाँ – जैसे मेट्रोनिडाजोल, टिनिडाजोल, सेक्निडाजोल आदि।

(4) एन्टीहेल्मींथिक – कृमिनाशक में प्रयुक्त होने वाली दवाइयाँ– जैसे एल्बेन्डाजोल, पायरेन्टल पामायेट, मेबेन्डाजोल आदि।

(5) एन्टीबायोटिक – जीवाणु (बैक्टिरिया), वायरस आदि के खिलाफ प्रयुक्त होने वाली प्रतिजैविक औषधि जैसे–रिफैम्पीसीन, पेनीसिलीन, एमॉक्सिसीलीन, सिप्रोफ्लोक्सासिन, मिकासिन आदि।

(6) एक्सपेक्टोरेन्ट – खाँसी के वेग को घटाने, श्वासनली को चौड़ा करने में सहायक औषधि – जैसे ब्रोमनहेक्सिन, टरब्युटालीन, क्लोरफेनारामिन आदि।

(7) एन्टीमलेरियल – मलेरिया को दूर करने वाली औषधियों को एन्टीमलेरियल कहते हैं – जैसे – क्लोरोक्विन, प्राइमाक्विन, आर्टिथर आदि।

(8) एन्टी–एलर्जिक – वैसी औषधियाँ जो एलर्जी को दूर करती तथा उससे बचाती हैं जैसे– एविल, सेट्रीजिन, फैक्सोफेनाडिन।

(9) न्यूट्रीशनल–सप्लीमेन्ट – इसमें विटामिन, मिनेरल, प्रोटीन पाउडर, ओ.आर.एस. (ORS) ग्लूकोसामिन, एन्टीऑक्सीडेन्ट आदि आते हैं जो हमारे शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं।

(10) एन्टीसेप्टिक – शरीर में संक्रमण से बचाव के लिए जिस औषधि का प्रयोग होता है उसे एन्टीसेप्टिक कहते हैं जैसे– डेटॉल, सेवलॉन, स्पिरीट, बीटाडीन आदि।

(11) डिसइन्फेक्टेन्ट – वस्तुओं को संक्रमणमुक्त करने वाली औषधियों को डिसइन्फेक्टेन्ट कहते हैं जैसे– लाइसॉल, क्रिसॉल, फिनाइल, ग्लुटरैल्डिहाइड, फॉर्मेल्डीहाइड।

(12) ब्रोन्कोडायलेटर – श्वसन नली को चौड़ा करने के लिए सहायक औषधियाँ– जैसे– सालब्युटामोल, टरब्युटालीन, एम्ब्रॉक्सल आदि।

इस तरह के दवाइयों की सूची बहुत लंबी है। इसमें कुछ का ही वर्णन ऊपर किया गया है।

पाठगत प्रश्न 6.1

निम्नलिखित के जोड़े मिलाइए–

	(क)		(ख)
1.	एन्टीसेप्टिक	(i)	फिनाइल
2.	एन्टीमलेरियल	(ii)	एमॉक्सिसीलीन
3.	डिसइन्फेक्टेन्ट	(iii)	पैरासिटामोल
4.	एन्टीबायोटिक	(iv)	डेटॉल
5.	एनाल्जेसिक	(i)	क्लोरोक्विन